Swargiya Chandra Singh Shahi Govt. P.G. College
Kapkote (Bageshwar)

Department of Sanskrit

Master of Arts (Sanskrit)

Programme outcomes (POs):PG	
PO 1	साहित्य एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा समाज एवं उसकी दशा, गति, दिशा, उसके उद्वेलन आदि को सजीवता के साथ चित्रित किया जा सकता है। विद्यार्थी स्नातकोत्तर स्तर पर संस्कृत साहित्य का अध्ययन करते हुए अपनी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं सामाजिक गतिविधि की पहचान प्राप्त करता है।
PO 2	संस्कृत साहित्य वैदिक और लौकिक दो रूपों में विद्यमान है जिसके अध्ययन से विद्यार्थी संस्कृत साहित्य की विस्तृत परम्परा का भी ज्ञान प्राप्त करता है।
PO 3	संस्कृत साहित्य भौतिकवादी संस्कृति में भी मानव को सही दिशा निर्देश करते हुए समुन्नत जीवन मूल्यों को अपनाने की शिक्षा देता है।
PO 4	विद्यार्थी संघ लोक सेवा आयोग एवं राज्य लोक सेवा आयोग की प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन हेतु विशिष्ट विषय के रूप में संस्कृत साहित्य का सम्पूर्ण ज्ञान प्राप्त करता है।
PO 5	विद्यार्थी संस्कृत अनुवाद एवं सस्कृत पत्रकारिता जैसे रोजगारपरक क्षेत्रों में कार्य करने हेतु आधार भूत ज्ञान प्राप्त करता है।
PO 6	विद्यार्थी उच्चस्तरीय शोध एवं उच्च शिक्षा में अध्यापन हेतु आधारभूत ज्ञान एवं योग्यता प्राप्त करता है।

Programme specific outcomes (PSOs):PG	
PSO 1	संस्कृत–भाषा एवं साहित्य में निपुणता।
PSO 2	सामाजिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं आध्यात्मिक राष्ट्रीय सन्दर्भों में संस्कृत साहित्य की विशाल परम्परा का रचनात्मक एवं सैद्धान्तिक ज्ञान प्राप्त करना।
PSO 3	महान् एवं उदात्त साहित्यिक कृतियों के साक्ष्य से उन्नत जीवन एवं नैतिक मूल्यों के अनुपालन हेतु प्रेरित करना।
PSO 4	साहित्य के साक्ष्य से राष्ट्र निर्माण की समझ विकसित करना।
PSO 5	साहित्य के साक्ष्य से व्यक्ति एवं समाज में सद्भाव, समरसता, समानता, सहिष्णुता आदि मानवीय गुणों का विकास करना।
PSO 6	साहित्य के माध्यम से जनसाधारण की समस्याओं और सघर्षों का साक्षात्कार करना।

Course Outcomes: (COs): PG	
CO1	विद्यार्थी वेद, वैदिकसंहिता, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यक ग्रन्थ, उपनिषद्, वेदाङ्ग एवं वैदिक साहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे एवं वैदिक साहित्य के माध्यम से नैतिक एवं राष्ट्रीय भावना से अभिभूत होंगे।
CO2	संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।

CO3	भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
CO4	रूपक साहित्य में निहित चरित्रों के अध्ययन से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे।
CO5	आर्षकाव्यों के अध्ययन से विद्यार्थी सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, दार्शनिक, सांस्कृतिक, क्षेत्रों में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।
CO6	विद्यार्थी आर्षकाव्यों में वर्णित भारतीय जनजीवन के चित्रण में भौगोलिक ज्ञान एवं अध्यात्म की उच्चतम स्थितियों से सुपरिचित होंगे।
CO7	उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्य की परम्परा से सुपरिचित होकर रचनात्मक क्षेत्र में प्रेरणा प्राप्त करेगें।
CO8	शोध परियोजना के माध्यम से संस्कृत साहित्य की विविध विधाओं में शोध कार्य करके भारतीय ज्ञान परम्परा को अक्षुण्ण बनाने में सहायक सिद्ध होंगे।
CO9	संस्कृत साहित्य के अन्तर्गत मौखिकी परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में साक्षात्कार देने में निपुण बनेगें।

M.A. First Semester

(Paper-I)

Course Title -वेद एवं वैदिक साहित्य का इतिहास

Learning Outcomes

1. वेद, वैदिकसंहिता, ब्राह्मणग्रन्थ, आरण्यकग्रन्थ, उपनिषद् ,वेदाङ्ग एवं वैदिकसाहित्य की पृष्ठभूमि में रचित ग्रन्थों से सुपरिचित होंगे।
2. वैदिक सूक्तों के महत्त्व से सुपरिचित होंगे।
3. वैदिक साहित्य के माध्यम से नैतिक एवं राष्ट्रीय भावना से अभिभूत होंगे।
4. वैदिक वाङ्मय एवं संस्कृति का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

(Paper-II)

Course Title –व्याकरण, पाली एवं प्राकृत

Learning Outcomes

1. व्याकरण अध्ययन से विद्यार्थी उच्चारण कौशल में निपुण होंगे।
2. संस्कृत व्याकरण का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर उसकी वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।
3. कारक एवं समास का विशिष्ट ज्ञान एवं उनके अनुपयोग का कौशल विकसित होगा।

(Paper-III)

Course Title –सांख्य एवं न्यायदर्शन

Learning Outcomes

1. भारतीय दार्शनिक तत्त्वों का सामान्य ज्ञान प्राप्त होगा।
2. सांख्य दर्शन के मूलभूत सिद्धान्तों को जानकर प्रमेय पदार्थों से परिचित होंगे।
3. न्याय शास्त्र के प्राचीन एवं वैज्ञानिक ज्ञान से लाभान्वित होंगे।
4. न्यायदर्शन से प्राचीन एवं आधुनिक न्याय व्यवस्था से परिचित होंगे।

(Paper-IV)

Course Title –संस्कृतरूपक एवं रूपककार

Learning Outcomes

1. सस्कृत रूपक एवं साहित्य का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर रूपकों के भेदों से सुपरिचित हो सकेंगे।
2. रूपक साहित्य एवं साहित्यकारों के माध्यम से उनके नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष को समझ पायेंगे।
3. रूपक साहित्य के ज्ञान से कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।

माइनर पाठ्यक्रम (इलेक्टिव कोर्स)

(Paper-I)

Course Title –संस्कृत भाषा अध्ययन

Learning Outcomes

1. संस्कृत भाषा के संप्रत्यय को समझ सकेंगे।
2. संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता से सुपरिचित होंगे।
3. संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न पक्षों से सुपरिचित होंगे।
4. संस्कृत भाषा के माध्यम से विद्यार्थियों में नैतिकता का विकास होंगा।
5. संस्कृत भाषा के ज्ञान से नैतिक मूल्यों, आध्यात्मिक मूल्यों से युक्त ग्रन्थों के अध्ययन में सुगमता प्राप्त होगी। मूल्यपरक ग्रन्थों के बोध से अपने जीवन का लक्ष्य पूर्ण करने समर्थ होगें।

अथवा

(Paper-I)

Course Title –आर्षकाव्य – रामायण

Learning Outcomes

1. आर्षकाव्य रामायण के माध्यम से विद्यार्थियों का नैतिक एवं चारित्रिक उत्कर्ष होगा।
2. महर्षि वाल्मीकियकृत रामायण से सुपरिचित होंगे।
3. रामायण में वर्णित संस्कारों एवं परम्पराओं से अवगत होंगे।

अथवा

(Paper-I)

Course Title –आर्षकाव्य – महाभारत

Learning Outcomes

1. आर्षकाव्य महाभारत में वर्णित जीवन–संग्राम की हार–जीत का प्रतीक और जीवन के विविध पहलुओं से अवगत होंगे।
2. विद्यार्थी महाभारत में भारतीय जन जीवन के चित्रण में भौगोलिक से लेकर ज्ञान एवं अध्यात्म की उच्चतम स्थितियों से सुपरिचित होंगे।
3. महर्षि वेदव्यासकृत महाभारत से सुपरिचित होंगे।

अथवा

(Paper-I)

Course Title –उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्यकार

Learning Outcomes

1. उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्य की परम्परा से सुपरिचित होंगे।
2. उत्तराखण्ड के कवि व उनकी कृतियों से विद्यार्थी अवगत होंगे।
3. उत्तराखण्ड के प्रमुख संस्कृत साहित्यकार से सुपरिचित होंगे।
4. प्राचीन एवं अर्वाचीन संस्कृत साहित्यकारों के अध्ययन से प्रेरणा प्राप्त कर सकेंगे।

Project

Course Title –संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन (शोध परियोजना एवं मौखिक परीक्षा)

Learning Outcomes

संस्कृत वाङ्मय भारतीय सांस्कृतिक इतिहास के दस्तावेज के रूप में उपलब्ध है। इसमें वेद, व्याकरण, भाषा शास्त्र, दर्शनशास्त्र, काव्य शास्त्र विषयक अनेक विमर्शात्मक एवं विश्लेषणात्मक पद्धतियाँ हैं जिनका सम्बन्ध मानवीय जीवनशैली एवं व्यक्तित्व विकास से है। भारतीय ज्ञान परम्परा एवं सांस्कृतिक विरासत से विद्यार्थियों को अवगत कराने हेतु संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन समीचीन है।

M.A. Second Semester

(Paper-I)

Course Title –वेदांग (निरुक्त एवं पाणिनीय शिक्षा)

Learning Outcomes

1. शिक्षा एवं व्याकरण शास्त्रों के पारिभाषिक पदों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. व्याकरण ग्रन्थों का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
3. शिक्षा का वेदाङ्ग में स्थान एवं वेदों में उपयोगिता को जान सकेंगे।
4. पाणिनीय–शिक्षा का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
5. वर्णोच्चारण विधि में उच्चारण सम्बन्धी दोष एवं गुण का महत्व की जानकारी ले सकेंगे।

(Paper-II)

Course Title –व्याकरणदर्शन एवं भाषाविज्ञान

Learning Outcomes

1. वाक्यपदीय में भर्तृहरि के भाषा (वाच्) की प्रकृति और उसका वाह्य जगत से सम्बन्ध की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. वाक्यपदीय में दार्शनिक रीतियों के विषयों जैसे–जाति, द्रव्य, काल आदि से सुपरिचित होंगे।
3. भाषा विज्ञान के स्वरूप, उद्‌गम एवं विकास से सुपरिचित होगे।
4. ध्वनि विज्ञान, वाक्यविज्ञान एवं अर्थविज्ञान की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

(Paper-III)

Course Title –वेदान्तसार एवं दर्शनशास्त्र का इतिहास

Learning Outcomes

1. विद्यार्थी वेद–वेदांग आदि सभी शास्त्रों से सुपरिचित होगे।
2. वेदान्त दर्शन का ऐतिहासिक स्वरूप से सुपरिचित होंगे।
3. दर्शनशास्त्र के इतिहास के माध्यम से सांख्य, योग, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदान्त से सुपरिचित होंगे।
4. दर्शनशास्त्र के आधार पर आस्तिक एवं नास्तिक दर्शन से सुपरिचित होंगे।

(Paper-IV)

Course Title –काव्य एवं भारतीय संस्कृति

Learning Outcomes

1. कालिदासकृत मेघदूत में प्रकृति चित्रण से सुपरिचित होंगे।
2. कवि परम्परा में कालिदास के महत्त्व से सुपरिचित हो सकेंगे।
3. श्रीहर्ष के जीवनवृत्त एवं परिचय को जान सकेंगे।
4. नल एवं दमयन्ती का एक दूसरे के गुणों से सुपरिचित होंगे।
5. भारतीय संस्कृति की मुख्य विशेषताओं से सुपरिचित होंगे।
6. भारतीय संस्कृति में वर्णित वर्णाश्रम व्यवस्था, पंच महायज्ञ, प्राचीन भारतीय स्थापत्यकला, शिल्प एवं अभिलेख से सुपरिचित होंगे।

Project

Course Title –संस्कृत कथा साहित्य का सामान्य अध्ययन (शोध परियोजना एवं मौखिक परीक्षा)

Learning Outcomes

वैदिक वाङ्मय से लेकर लौकिक साहित्य तक प्रकृति प्रेम की उदात्त भावना परिलसित होती है। प्रकृति प्रेम की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से सिंचित प्रेम के दृष्टिबोध द्वारा वर्तमान समय की ज्वलन्त समस्याओं–जलवायु परिवर्तन, समय–समय पर आ रही प्राकृतिक आपदाओं आदि का समाधान ढूढ़ने की राह आसान होगी।

M.A. Third Semester

(Paper-I)

Course Title –व्याकरण

Learning Outcomes

1. महाभाष्य व्याकरणिक अवधारणा को जान पायेंगे।
2. लघु सिद्धान्तकौमुदी के आधार पर धातु प्रक्रिया के विषय से परिचित होंगे।
3. लघु सिद्धान्तकौमुदी के माध्यम से आत्मनेपद एवं परस्मैपद से सुपरिचित होंगे।

(Paper-II)

Course Title –गद्य एवं ऐतिहासिक काव्य

Learning Outcomes

1. संस्कृत गद्यकाव्य की परम्परा से सुपरिचित होंगे।
2. गद्यकाव्य के भेद एवं प्रकार के विषय में अध्ययन कर सकेंगे।
3. गद्यकाव्य का उद्भव एवं उत्कर्ष के विषय से सुपरिचित होंगे।

(Paper-III)

Course Title –काव्यशास्त्र

Learning Outcomes

1. काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं लक्षण से सुपरिचित होंगे।
2. काव्यशास्त्र की अवधारणा का ज्ञान हो सकेगा।
3. काव्यशास्त्र में काव्यसौन्दर्य के आधायक जिन गुण, रीति, अलंकार, ध्वनि आदि तत्त्वों से सुपरिचित होंगे।
4. काव्यशास्त्र की परम्परा से अवगत हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।

(Paper-IV)

Course Title –साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र

Learning Outcomes

1. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2. साहित्यशास्त्र के काव्य–दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य से अवगत होंगे।

3. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4. नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5. रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगें
6. कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

Project

Course Title – संस्कृत और भारतीय समाज (शोध परियोजना एवं मौखिक परीक्षा)

Learning Outcomes

वैदिक वाङ्मय से लेकर लौकिक साहित्य तक भारतीय समाज की उदात्त भावना परिलसित होती है। भारतीय समाज की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से परिचित होकर वर्तमान समय की पारिवारिक समस्याओं का समाधान ढूढ़ने की राह आसान होगी।

M.A. Fourth Semester

(Paper-I)

Course Title –संस्कृतप्रकरण, चम्पूकाव्य एवं निबन्ध

Learning Outcomes

1. गद्य एवं चम्पूकाव्य की उत्पत्ति और विकास से सुपरिचित होंगे।
2. प्रमुख गद्य एवं चम्पू काव्यों के प्रणेताओं, उनकी कथावस्तु तथा काव्यगत वैशिष्टय के विषय में ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
3. संस्कृत काव्य की सुदीर्घ एवं वैविध्यमयी परम्परा से अवगत होंगे।
4. गद्य एवं चम्पू की विधाओं के विशिष्ट भाषिक प्रयोगों से अवगत होंगे।

(Paper-II)

Course Title –काव्यशास्त्र

Learning Outcomes

1. काव्यशास्त्र के स्वरूप एवं लक्षण से सुपरिचित होंगे।
2. काव्यशास्त्र की अवधारणा का ज्ञान हो सकेगा।
3. काव्यशास्त्र में काव्य सौन्दर्य के आधायक जिन गुण, रीति, अलंकार, ध्वनि आदि तत्त्वों से सुपरिचित होंगे।
4. काव्यशास्त्र की परम्परा से अवगत हो सकेंगे।
5. विद्यार्थी काव्यशास्त्र के उद्भव और विकास से सुपरिचित होकर काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को समझने में सक्षम होंगे।

(Paper-III)

Course Title –साहित्यशास्त्र एवं नाट्यशास्त्र

Learning Outcomes

1. नाट्यशास्त्र के उद्भव से सुपरिचित होंगे।
2. साहित्यशास्त्र के काव्य–दृश्यकाव्य, श्रव्यकाव्य से अवगत होंगे।
3. दशरूपक ग्रन्थ के प्रयोजनों से परिचित हो सकेंगे।
4. नाट्य विषय ज्ञान में वृद्धि कर सकेंगे।
5. रूपकों के भेदक–तत्वों से परिचित हो सकेंगें

6. कथावस्तु के स्वरूप को समझ सकेंगे।

(Paper-IV)

Course Title –अर्वाचीन संस्कृत साहित्य एवं साहित्यकार

Learning Outcomes

1. अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य से सुपरिचित होंगे।
2. आधुनिक संस्कृतसाहित्यकारों से सुपरिचित होंगे।
3. अर्वाचीन संस्कृतसाहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे।
4. अर्वाचीन पत्र–पत्रिकाओं से सुपरिचित होंगे।

Project

Course Title संस्कृत नाट्य एवं सिनेमा
(शोध परियोजनाएवं मौखिक परीक्षा)

Learning Outcomes

नाट्य के सामान्य स्वरूप व प्रमुख सिद्धान्तों के अध्ययनोपरान्त नाट्यशास्त्र की शास्त्रीय समीक्षा का बोध होगा। इन सिद्धान्तों का विभिन्न भाषायी सिनेमा में अनुप्रयोग सम्बन्धी अध्ययन के द्वारा शास्त्रीय अभिनय कौशल और दक्षता का विकास होगा। इन मूल्यों के आधार पर आधुनिक फिल्में शंकराचार्य, मदर इण्डिया, गाँधी आदि की समीक्षा करने में सक्षम होंगे।